ज़रा सोचें...

सम्पूर्ण सम्पन्न बनने की अपने में हो तीव्र इच्छा शक्ति

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

सम्पन्नता मिन्स स्वयं में भरपूरता। भरपूरता के बाद ही सम्पूर्णता आती है। अगर कोई भी बात का अभाव है तो वह चीज़ परफेक्ट नहीं कही जाती। परफेक्ट बनना है, सम्पूर्ण बनना है तो अपने आप में हर बात की भरपूरता चाहिए। कोई चीज़ आप बनाते हैं तो उसमें जो डालना है वह सब चाहिए। उसमें से कोई एक चीज़ की भी कमी होगी तो परफेक्ट बनी ऐसा नहीं कहेंगे। कहेंगे बहुत अच्छी बनी है पर नमक कम है या थोड़ी मिर्चि कम है, तो कमी खलती है। हमारे पास यह है, यह है पर यह नहीं है, कोई भी चीज़ का अभाव या कमी पूरा सुख नहीं देता। तो जैसे स्थूल चीज़ों में हम चाहते हैं कि सबकुछ हो, ऐसे अभी हम स्वयं को भरपूर कर रहे हैं तो ज्ञान भी चाहिए, गुण भी चाहिए, शक्ति भी चाहिए, कला भी चाहिए, विशेषता भी चाहिए, अच्छी अनुभूतियां भी चाहिए तो अपने आप को देखना है कि बाबा ने तो सबकुछ दिया है। सब खज़ाने दिए हैं। हमने अपने आप को कहाँ तक भरा है, कौन-सी कमी है? क्या विचार है,उन कमियों के साथ ही चलते रहना है? बहुत लम्बा समय बाबा ने पुरुषार्थ का दिया।

भगवान को जो ज्ञान देना था, प्यार देना था पुरुषार्थ कराना था वो सबकुछ बाबा ने करा दिया। बाबा ने तो अपनी लीला समेट ली, अब हमें क्या करना है? कोई भी चीज़ का पुरुषार्थ करते हैं तो उस पुरुषार्थ की सफलता तब कही जाती है जब लक्ष्य को अचीव करते हैं, मंज़िल पर पहुंच जाते हैं। तब कहेंगे हमारी मेहनत सफल हुई। हम सभी भी पुरुषार्थ कर रहे हैं। हमें अपने आप से पूछना है कि बाबा ने लक्ष्य दिया है तो चल रहे हैं या मैंने अपने आप में भी इसको स्वीकार किया है? क्योंकि जब तक हम खुद अपना लक्ष्य नहीं बनाते बाबा तो कहते हैं, दादियां कहती हैं, दीदीयां कहती हैं पर मेरा अपना लक्ष्य हो कि मुझे ऐसा बनना है। जब तक हम दिल से खुद स्वीकार नहीं करते तब तक हम बन नहीं सकते। इसलिए रोज़ अमृतवेले योग के बाद बाबा के सामने हमें पक्का करना है, रिवाइज़ करना है कि मुझे आपके जैसा बनना है, मुझे सम्पूर्ण बनना है, मुझे पास विथ ऑनर बनना है, मुझे विनाश के पहले कर्मातीत बनना है। यह अपने आप में दृढ़ करना है। फिर खुद को हम देखते हैं कि बाबा की हम सब बच्चों को सबसे बड़ी देन है सम्पूर्ण बनने का ज्ञान, समझ, मार्गदर्शन। भक्ति में लगन थी तो देखो घरबार छोड़कर, सन्यास लेकर जंगलों में जाकर तप करते थे। कितना कष्ट सहा उन्होंने। उनको जो गुरु मिले, जिस गुरु ने जो कहा वो उन्होंने किया। सत्य है या नहीं वह तो पता ही नहीं था। लेकिन लगन थी, पुरुषार्थ था।

हमारे पास सत्य है, पूरा ज्ञान बाबा ने दिया है कि कैसे बाप समान सम्पन्न बन सकते हैं। अब आवश्यकता है तीव्र इच्छा शक्ति की कि मुझे क्या बनना है। कितना लेना है बाबा से। तो जो भी रही-सही, अपनी कोई भी कमी है उसको हमें भरना है। जब से जिसने अलौकिक जन्म लिया, वो ब्राह्मण जीवन हमारा अंत तक चलेगा। पर कौन-से ब्राह्मण जीवन में आनंद आएगा, सुख महसूस होगा, जो निर्विघ्न, निरोगी होगा। बार-बार माया से युद्ध चले क्योंकि खुद में जब माया आती है तभी विघ्न आता है। जो भी विघ्न आते हैं हमारी अपनी कमी-कमज़ोरी के कारण आते हैं। जहाँ शक्ति है वहाँ वह परिस्थिति विघ्न नहीं लगती। क्योंकि शक्ति है तो हम उसको पार कर देते हैं। कोई लड़ने आ रहा है पर हमारे में भी पॉवर है तो हम कहेंगे आने दो हम भी तैयार हैं, फिर डरते नहीं हैं।

तो इस पवित्र योगी जीवन में हमें ऐसी पॉवर से चलना है कि उसमें कोई विघ्न न रहे माना कोई भी परिस्थिति हमारी खुशी को, आनंद को, हमारी अवस्था को बिगाड़ ना सके। तो सबसे पहले आवश्यक है दिव्य बुद्धि जो बाबा के सद्ज्ञान से हमें प्राप्त होती है। सद्ज्ञान से सद्मति आती है और सद्मती से सद्गति होती है। बुद्धि सदा शुद्ध रहे, सत्य रहे क्योंकि जीवन में हमें बहुत छोटी-छोटी सी बातों से लेकर हर कदम में निर्णय करने होते हैं। यह सोचना नहीं सोचना, यह करना नहीं करना, यह बोलना नहीं बोलना, यह खाना नहीं खाना, यह देखना नहीं देखना हर कदम निर्णय लेने होते हैं। वहाँ हमारी दिव्य बुद्धि किस प्रकार की है सही निर्णय सही कर्म सुख का आधार है। आज बाबा का सत्य ज्ञान मिला, तीसरा नेत्र मिला हम आत्माओं में जागृति आई,अवेयरनेस आई। बाबा ने कहा है ना कि ज्ञान से रोशनी मिलती है। बुद्धि कहाँ भी जाती है हम समझ सकते हैं, क्या राइट है क्या रॉन्ग है, क्या हमें करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए।

तो देखो जीवन बदल गया वरना हमारा जीवन देहभान में, विकारों में, व्यर्थ में, दुनियावी बातों में, इंद्रिय रसों में इन्हीं बातों में चल रहा था। हम इस दुनिया की, इस जीवन की बातें सोचते रहते थे पर जैसे ही बाबा के सत्य ज्ञान से बुद्धि जागी,सत्य बनी तो हमारा नया जन्म हुआ। अब हम सिर्फ लौकिक, दैहिक, भौतिक बातों के लिए नहीं जी रहे हैं, अब हमारा जीवन आत्म कल्याण के लिए और विश्व कल्याण के लिए सेवा भी कर रहा है।

अब आवश्यकता है तीव्र इच्छा शक्ति की कि मुझे क्या बनना है। कितना लेना है बाबा से। तो जो भी रही-सही, अपनी कोई भी कमी है उसको हमें भरना है।

लखनऊ-त्रिपाठी नगर(उ.प्र.)। 'आत्म निर्भर किसान' अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए सूर्य प्रताप शाही,कृषि राज्यमंत्री, डॉ. पंकज त्रिपाठी,निदेशक राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, विवेक कुमार सिंह,कृषि निदेशक, एस.बी.सिंह,प्रबंध निदेशक बीज विकास निगम, ब्र.कु.बद्री विशाल तिवारी,सहायक निदेशक कृषि विभाग, ब्र.कु. इंदिरा दीदी, ब्र.कु.राधा दीदी तथा अन्य।

जयपुर-बनीपार्क(राज.)। अमरापुरा दरबार के संत श्री मोनू साईं जी को ईश्वरीय कार्यों की जानकारी देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी बहन एवं ब्र.कु.कुणाल।

फतेहपुर-उ.प्र.। विवाह पश्चात् प्रसिद्ध टीवी कलाकार कामना पाठक एवं संदीप श्रीधर सेवाकेन्द्र में आकर ब्र.कु.नीरू बहन से आशीर्वाद, ईश्वरीय सौगात एवं प्रसाद प्राप्त करते हुए।

नेपाल-गौर। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में 'तनाव मुक्ति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.भगवान भाई,माउण्ट आबू। इस अवसर पर प्रतिनिधि सभा सदस्य डॉ.राजेन्द्र साह, प्रतिनिधि सभा सदस्य अजय गुप्ता, गौर रोहतहट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.अजय चन्द्र, प्रदेश सभा सदस्य राजकिशोर यादव, ब्र.कु. रवीना बहन, ब्र.कु.जमुना बहन व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सोनीपत-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ रिट्रीट सेंटर के 9वें वार्षिक उत्सव तथा गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, करनाल से.7 सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. प्रेम बहन, करनाल से.9 सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. निर्मल बहन, कपूरथला सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, जालंधर सेवाकेन्द्र से ब्र.कु. संधीरा बहन, सोनीपत से.15 सेवाकेन्द्र से ब्र.कु.प्रमोद बहन, चंडीगढ़ से ब्र.कु.अनीता दीदी, शाहबाद से ब्र.कु.नीति बहन, चरखी दादरी से ब्र.कु.प्रेम बहन तथा जींद से ब्र.कु. विजय बहन।

बिहटा-पटना(बिहार)। 9वीं बटालियन एनडीआरएफ में संस्थान के सिक्योरिटी सर्विसेज विंग द्वारा आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सुजाता बहन, ब्र.कु. जयश्री बहन, ब्र.कु. तापोशी बहन, ब्र.कु.ओंकार भाई तथा अन्य भाई-बहनें।

फरीदाबाद-हरियाणा। त्रिदिवसीय आईएमटी इंडस्ट्रियल एक्सपो में ब्रह्माकुमारीज़ एनआईटी सेवाकेन्द्र द्वारा बिज़नेस इंडस्ट्री विंग का स्टॉल लगाकर सैकड़ों उद्यमियों एवं कर्मचारियों को विंग की गतिविधियों से अवगत कराया गया।

हाथरस-आनन्दपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एन.सी.सी. बटालियन के जवानों के लिए आयोजित कार्यक्रम में कैप्टन गोपाल प्रसाद, सूबेदार मेजर विक्रम सिंह, सूबेदार आर.वी. वर्मा, नायब सूबेदार एल.के. कॉम, हवलदार अशोक कुमार, सी.टी.ओ. पप्पू जी तथा सभी कैडेट्स सहित ब्र.कु. शान्ता बहन, ब्र.कु. दुर्गेश बहन, ब्र.कु.गजेंद्र भाई, ब्र.कु. दिनेश भाई आदि उपस्थित रहे।

मोतिहारी-बिहार। गायत्री मंदिर नगर के सामने बेलबनवा में नये उपसेवाकेंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में ब्र.कु.मीना बहन, डॉ.अतुल कुमार, योग गुरु शैलेंद्र गिरी, अधिवक्ता राज किशोर शर्मा, शिक्षाविद सुनील कुमार शर्मा, बहन रजनी कौशल, ब्र.कु.अशोक वर्मा तथा ब्र.कु. विभा बहन।